Name of the college - A.P.S.M. College, Barauni, Begusarai
L.N.M.U Darbhanga
Name - Dr. Bharti Kumari (G.T)
Deptt - A.I.H. & C
Lession/plan for ~~for~~ class - B.A AI.H.&C(H) Paper IV part I
Date - 22-06-21
Name of the topic - खजुराहो शैली

Continue -

**खजुराहो** :- मध्ययुग में खजुराहो चंदेल राजाओं की राजधानी रही, तथा मध्यप्रदेश के छतरपुर से चालीस किलोमीटर तथा महोबा से छप्पन किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। खजुराहो नाम के विषय में विभिन्न मत है। कहा जाता है कि महल के द्वार के दोनों पार्श्व में खजूर के वृक्ष थे। एक अभिलेख (गंगदेव शिलालेख) में खजूर वाहक नाम का उल्लेख है। मुसलमान लेखक अलबरूनी इसे खजुराह लिखा है तथा इब्नबतूता ने खजुराहो के नाम से इसका उल्लेख किया है। इसी नाम के नगर के किनारे छोटा सा ग्राम था, जो मंदिर-समूह के कारण संसार में विख्यात है। बुंदेलखंड के जेजाक भुक्ति के शासक चंदेल नाम से विख्यात थे। जिनका राज नवीं से तेरहवीं सदी तक विस्तृत रहा। दसवीं सदी के मध्य में चंदेल शासन प्रभावशाली एवं शक्तिशाली हो गया। खजुराहो के लेख में वर्णन आता है कि यशोवर्मन ने कालिंजर को जीत लिया तथा एक विशाल विष्णु मंदिर बनवाया। उसका पुत्र धंग योद्धा था (950 - 1002 ई०) बड़ा ही प्रतापी उसकी उपलब्धियों का खजुराहो लेख में वर्णन मिलता है। उसने गुर्जर प्रतिहार शासक को पराजित किया। खजुराहो के अनेक मंदिरों के निर्माण का श्रेय ~~पूरे~~

धंग की ही है। उसके पौत्र विद्याधर को मुसलमान लेखकों ने महाशक्तिशाली शासक कहा है। ई०स० 1022 के समीप महमूद के आक्रमण से विद्याधर को झुकना पड़ा और उसी समय से खजुराहो का महत्व जाता रहा। चंदेल नरेशों ने महोबा, अजयगढ़ तथा कालिंजर को केन्द्र बना कर युद्ध किया था।

चंदेल नरेश शैवमत के अनुयायी थे, किन्तु अन्य धर्म के विरोधी नहीं थे। अतः वैष्णव तथा जैन मंदिर भी खजुराहो में निर्मित हुए थे।

मध्यप्रदेश के छतरपुर में स्थित खजुराहो के मंदिर नागर वास्तु शैली के सर्वोत्तम उदाहरण है। चंदेल राजा महान निर्माता तथा कला के आश्रयदाता थे। खजुराहो के समस्त मंदिरों का निर्माण ई० सं० 950-1050 के मध्य हुआ था। यह मंदिर आर्म शिखर शैली के गौरवमय उदाहरण उपस्थित करते है।

मध्य प्रदेश शिखर मंदिरों का केन्द्रस्थल रहा है और यहाँ मध्य युग से सोलहवी सदी तक आर्म शिखर सहित मंदिरों का निर्माण हुआ था। यद्यपि उड़ीसा शैली में भी आर्म शिखर वाले मंदिर बने थे। किन्तु मध्य प्रदेश के मंदिर में वास्तविक रूप में अनेकानेक दृष्टिगत होती है। इसी प्रदेश में स्थित ग्वालियर तथा नाचना कुठारा के शिखरयुक्त मंदिरों का उल्लेख किया गया है। उसी प्रसंग में इस अवधि के प्राचीन मंदिरों में रीवा के समीप महादेव वैद्यनाथ का उल्लेख किया जा सकता है। इन मंदिरों में प्रारंभिक अवस्था के शिखर वर्तमान थे, जो भग्नावस्था में पड़े है। मध्यभारत के प्रायः मंदिर पंचायत बनावट के है। उड़ीसा के असमान खजुराहो मंदिरों का निर्माण अन्तकाल में ही हुआ था।

भारती कुमारी
M.A. H. 2C
Date - 22-06-21

Scanned with CamScanner